Subject – Hindi **Lesson – 17 सर्वनाम** **class – 6th**

उत्तर-पुस्तिका सुगम हिंदी व्याकरण भाग-6

17. सर्वनाम

लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. निम्नलिखित वाक्यों को सर्वनाम के उचित भेदों से मिलाइए-

(क) संबंधवाचक सर्वनाम (ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम (ग) निजवाचक सर्वनाम
(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (ङ) अन्य पुरुष वाचक

2. कोष्ठक में दिए उचित सर्वनाम शब्दों से रिक्त स्थान भरिए-

(क) मुझे (ख) वह (ग) वैसा (घ) स्वयं (ङ) मुझे (च) वो (छ) हमें

3. रेखांकित सर्वनाम शब्दों की अशुद्धियों को शुद्ध करके वाक्य पुनः लिखिए-

(क) उसने काम कर लिया। (ख) जितना पढ़ोगे उतने नंबर मिलेंगे।
(ग) हमारा विद्यालय बहुत अच्छा है। (घ) शोभना मेरे घर नहीं आई। (ङ) कृष्ण ने राधा को मेरी बाँसुरी दे दी।

4. निम्नलिखित गद्यांश में जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ पर संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके दोबारा लिखिए-

(क) तुम **कहाँ** जा रहे हो? (ख) **मेरे** पास पाँच पेंसिलें हैं। (ग) **तुम** अब खेलने जाओ।
(घ) अपना काम **स्वयं** करो। (ङ) **जहाँ** जाओगे **वहाँ** खरीद लेना।

5. निम्नलिखित गद्यांश में जहाँ आवश्यकता है वहाँ संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम प्रयोग कर पुनः लिखिए-

कुत्ता घर से रोटी लेकर भागा। वह नाले के किनारे-किनारे जा रहा था। उसने नाले के पानी में अपनी परछाईं देखी। वह लालच में फँस गया। जब उसने भौंकना चाहा तो उसके मुँह से रोटी गिर गई।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) **सर्वनाम के भेद**– सर्वनाम के भेद हैं– 1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

(ख) **निश्चयवाचक सर्वनाम**– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की जानकारी मिले, उन्हें **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम– जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की जानकारी न मिले, उन्हें **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं।

7. कक्षा के मॉनीटर के अंदर समानता का भाव होना चाहिए। परिस्थिति के अनुसार सूझ-बूझ से काम लेना चाहिए। किसी भी काम को मिलजुलकर करना चाहिए तथा कभी अपने अंदर घमंड नहीं लाना चाहिए।

o

o